



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 7 अगस्त, 1991/16 श्रावण, 1913

हिमाचल प्रदेश सरकार

राजस्व विभाग
जिला विवरणिका शाखा

अधिसूचना

शिमला-2, 5 अगस्त, 1991

सं० राजस्व (डी० जी०)/89-183-84.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल लोक सेवा आयोग के परामर्श से जिला विवरणिका शाखा (राजस्व विभाग) में 2000—3500 के वेतनमान में वरिष्ठ सम्पादक (वर्ग-II) राजपत्रित पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपबन्ध 'क' के अनुसार भर्ती और प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश जिला विवरणिका शाखा (राजस्व विभाग) वरिष्ठ सम्पादक (वर्ग-II) राजपत्रित पद भर्ती और पदोन्नति नियम, 1991 है।

(2) ये नियम राजपत्र हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

सचिव।

उपबन्ध "क"

हिमाचल प्रदेश जिला विवरणिका शाखा (राजस्व विभाग) में वरिष्ठ सम्पादक द्वितीय श्रेणी (राजपत्रिन) के पद के लिए भर्ती एवं पदोन्नति नियम

- | | |
|---|--|
| 1. पद का नाम | वरिष्ठ सम्पादक |
| 2. पदों की संख्या | 1 (एक) |
| 3. वर्गीकरण | वर्ग-II (राजपत्रित) |
| 4. वेतनमान | रुपये 2000-3500 |
| 5. चयन अथवा अचयन | चयन |
| 6. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु | लागू नहीं होगी। |
| 7. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं। | लागू नहीं होगी |
| 8. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो | परिवीक्षा की अवधि दो वर्ष होगी तथा एक वर्ष से अनधिक ऐसी अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दें। |
| 9. भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधी होगी या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता। | शत प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा |
| 10. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियों जिनमें प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा। | सम्पादकों में से जिनका 3 वर्ष का नियमित या 31-3-91 तक तदर्थ सहित नियमित सेवाकाल यदि हो। |

टिप्पणी-1.—प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-91 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए गिम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी:—

(क) उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-91)

तक की गई तदर्थ सेवा को शामिल कर के, के आधार पर उपर्युक्त निश्चित उपबन्धों के कारण विचार के लिए गान्न हो जाता है, वहाँ उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति में ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी अधिकारियों की जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है, कम से कम 3 वर्ष न्यूनतम ग्रहणता सेवा या पद, भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम होगी परन्तु यह और भी कि जहाँ कोई भी व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु कहीं अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किये जाने संबंधी विचार के लिए अग्रत हो जाता है वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जायेगा।

(ख) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जायेगी :

परन्तु स्थाईकरण के परिणामस्वरूप तदर्थ सेवा को गणना में लेकर पारस्परिक ज्येष्ठता अपात्रवर्तित रहेगी।

(ग) 31-3-1991 के पश्चात् की गई तदर्थ सेवा प्रोन्नति/स्थाईकरण के प्रयोजन के लिए गणना में नहीं ली जाएगी।

टिप्पणी-2.—जब कभी नियम 2 के अधीन पदों में बढ़ोतरी होती है तो नियम 10 और 11 के उपबन्ध सरकार द्वारा लोक सेवा आयोग के परामर्श से पुनरीक्षण किए जायेंगे।

यदि विभागीय पदोन्नति समिति विद्यमान हो तो उसकी संरचना।

जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।

भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित हो।

सीधी भर्ती द्वारा किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आवश्यक अपेक्षाएं।

लागू नहीं होगी।

सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन।

लागू नहीं होगी।

प्रारक्षण

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों पिछड़े वर्गों और अन्य प्रभु के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में प्रारक्षण की बाबत जारी किए गए आदेशों के अधीन होगी।

16. शिक्षा करने की शक्ति

जहाँ तक राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना समीचीन है, तो वही उसके लिए जो कारण जो उन्हें विविध करके और हि० प्र० लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा, इन नियमों के किसी भी उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत शिथिल कर सकेंगे।

17. विभागीय परीक्षा

1. सेवा में प्रत्येक सदस्य को समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1976 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी अन्यथा वह निम्नलिखित के लिए पात्र नहीं होगा :—

- (1) आगामी वेय दक्षतारोध पार करने के लिए;
- (2) परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात् भी स्थायीकरण के लिए; और
- (3) अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए :

परन्तु उस अधिकारी से जिसने इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व किन्हीं नियमों के अधीन पूर्णतया या अंशतः विभागीय परीक्षा पास की है, यथास्थिति, पूर्णतः या अंशतः परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली थी उससे इन नियमों के अधीन विहित विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी :

परन्तु यह और कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिये इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की थी उससे 50 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात् निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

- (i) आगामी वेय दक्षतारोध पार करने के लिए, और
- (ii) परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात् स्थायीकरण के लिए।

2. किसी अधिकारी से प्रोन्नति की सीधी पक्ति में उच्चतर पद पर प्रोन्नति पर विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, यदि उसने निम्नतर राजपत्रित पद पर ऐसी परीक्षा पहले ही पास कर ली है।

3. सरकार हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से असाधारण परिस्थितियों में और कारणों को अभिलिखित करके, विभागीय परीक्षा नियमों के अनुसार किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को विभागीय परीक्षा से पूर्णतः या भागतः छूट मंजूर कर सकेगी, परन्तु यह तब जब कि ऐसे अधिकारी पर उसकी अधिर्वाप्ति की आयु प्राप्त करने की तारीख से किसी अन्य उच्चतर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता सम्भाव्य न हो।